14

अध्याय

महिलाओं का सशक्तीकरण

महिलाओं का सशक्तीकरण

01.01.2016 की स्थिति के अनुसार, सीआईएल में कुल 22822 महिला कर्मचारी सेवारत थीं। यह कुल श्रमशक्ति का 6.99% हैं। महिला कार्यपालकों की संख्या करीब 944 है तथा कुशल/मासिक वेतन पर कार्यरत महिला कर्मचारियों की संख्या 5555 है और शेष अकुशल/दिहाड़ी वर्ग के कामगार हैं। कोल इंडिया में पुरुषों के मुकाबले महिला कर्मचारियों की कम संख्या मुख्यतः काम की प्रकृति ही है। कोयला खनन का काम मूलतः श्रमसाध्य एवं जोखिमपूर्ण है। साथ ही, भूमिगत खानों में महिला कर्मचारियों के प्रवेश निषेध के बारे में भी विनियम है। अधिसंख्यक महिला कार्यपालक प्रशासनिक विभागों, यथा–कार्मिक, वित्त, सीएसआर कार्य आदि से संबंधित हैं।

मातृत्व–हित लाभ अधिनियम एवं समान पारिश्रमिक अधिनियम के प्रावधानों का कार्यान्वयन किया जा रहा है जिससे कोयला मंत्रालय के संगठनों में महिला कर्मचारी लाभान्वित हो रही हैं।

सीआईएल ने परिचारिका प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना की है जिसमें प्रशिक्षणार्थी परिचारिकाओं को प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे उद्योग के अंदर या उसके आस–पास रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें।

महिला मण्डल, महिला समिति तथा ऐसे ही अन्य मंच कोलफील्ड के विभिन्न एककों/संस्थानों में काम कर रहे हैं और वे महिला कर्मचारियों और उन पर आश्रितों के कल्याण कार्यों की देख–रेख कर रहे हैं। समय–समय पर संगोष्ठियों, सम्मेलनों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा सांस्कृतिक क्रियाकलापों का आयोजन किया जा रहा है।

मजदूरी समझौते के अनुसार सेवा अवधि के दौरान मृत्यु को प्राप्त कर्मचारियों के महिला आश्रितों को रोजगार अथवा मौद्रिक क्षतिपूर्ति प्रदान की जाती है।

राष्ट्रीय महिला आयोग के दिशा–निर्देशों के आधार पर एक महिला प्रकोष्ठ का गठन किया गया है जो भेद–भाव एवं यौन उत्पीड़न के विरुद्ध शिकायतों की जांच करता है।

कोलकाता तथा पांच सहायक कंपनियों अर्थात ईसीएल, बीसीसीएल, सीसीएल, एसईसीएल तथा सीएमपीडीआई में सार्वजनिक क्षेत्र प्रकोष्ठ में महिलों के लिए एक मंच की स्थापना की गई है। प्रत्येक डब्ल्यू आई पी एस प्रकोष्ठ की अध्यक्षता एक समन्वयक करता है जो विधिवत गठित एक समिति की सहायता से मंच के क्रियाकलापों की योजना बनाता है तथा उन्हें निष्पादित करता है। कंपनी डब्ल्यू आई पी एस के कार्यकलापों में सक्रिय सहयोग देती है जिनमें कल्याण, प्रशिक्षण एवं विकास कार्य, संगोष्ठियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम, औद्योगिक चेतना दौरा स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम आदि शामिल हैं। हाल के वर्षों में डब्ल्यूआई पी एस प्रकोष्ठ ने निचले स्तर पर महिला कर्मचारियों में प्रचार–प्रसार, लाभदायक रोजगार, प्रशिक्षण के बारे में सुझाव तथा असाधारण उपलब्धियों एवं अपवादात्मक प्रतिभा को मान्यता तथा सम्मान देकर उनके नैतिक बल को बढ़ाने का प्रशंसनीय कार्य किया है।

➢ वर्ष 2015–16 में कोल इंडिया लिमिटेड – डब्ल्यू आई पी एस (मुख्यालय) द्वारा किए गए कार्यकलाप

- माननीय प्रधानमंत्री की परिकल्पना के अनुसार स्वच्छ भारत अभियान की दिशा में डब्ल्यूआईपीएस सीआईएल (मुख्यालय) ने 15 अगस्तए 2015 को सीआईएल के नए कार्यालय परिसर राजरहाट में एक सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन तथा इनसिनरेटर स्थापित करने की पहल की है।
- दुर्गापूजा से पहले डब्ल्यूआईपीएस सीआईएल (मुख्यालय) ने बोधोना, न्यू टाउन राजरहाट में मंदबुद्धि तथा निराश्रित बच्चों के लिए जूते, बेडशीट और व्हीलचेयर प्रदान किया है।
- 'कारपोरेट क्षेत्र में महिलाएं–मुद्दें और चुनौतियां' के थीम पर कोल इंडिया लि. मुख्यालय में 04 दिसंबर, 2015 को एक वार्षिक सेमीनार का आयोजन किया गया था। श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य, अध्यक्ष, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया इस सेमीनार में मुख्य अतिथि थीं।

नेयवेली लिग्नाइट कारपोरेशन में :

नेवेली लिग्नाइट कॉरपोरेशन में 30 नवंबर, 2015 तक महिला कर्मचारियों की संख्या 1160 थी जिसमें 339 कार्यपालक थे। उनकी क्षमता के विकास के लिए निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था।

- एक डॉक्टर सहित वरिष्ठ महिला कार्यपालकों की समिति की गठन किया गया ताकि कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से बचाया जा सके।
- सेवारत महिला कर्मचारियों के लाभार्थ 'अनबालय' नामक शिशुसदन की शुरूआत की गई जिसमें प्रशिक्षित कार्मिक सेवारत हैं।
- डब्ल्यूआईपीएस/नेवेली ने स्तनपान के महत्व का प्रचार करने के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया।